

‘ਲੀਟਲ ਸਟਾਰ’ ਪਿੇ ਗੁਪਮਾਂ  
‘ਝਾਖਸੰਤੇ’ ਨੀ ਉਜ਼ਵਣੀ ਕਰਾਈ



## ચિલ્ડ્રન યુનિવર્સિટીની સલાહકાર સમિતિમાં ૧૨ નિષ્ણાતોની નિમણણું

गणेशील, ता. १७  
राजकांवा विकास दिवायमा  
विद्युत् युक्तविदी श्री विकास महाराज  
विकास महाराज ने दीपा लालकांवा  
संस्थापनमें उत्तम विकास की दिवायमा  
केन्द्र ३. नियमान्वय सभ्यो  
तरीकी नियमान्वय की छे।  
अन्ते उत्तम विकास की  
संस्थापनमें श्री  
विकास महाराज, श्री विकास महाराज,  
नवीदिली, श्री जिनान क बडी,  
बैद्यतामा विकास दिवायमा जायापाएँ छे।

## ઇજનેરી-ફાર્મસી મેરી યાદી આજે જાહેર કરાએ

अभ्यासकाल, ता. १०  
अनिन्दित्यावदी अभ्यासकाल, ता. ११  
प्रयोग माटे ता. १३ उन्नासे  
अविष्वासित्यावदी बाहु वेत्ती वायी  
देखते क्षम्यावदी अभ्यासकाल, ता. १४  
विवाहावदी देखी भुजन एवं पुष्ट घुण  
मरीजीवावदी वाया नक्षत्र विवाहावदी  
तत् वायावदी नक्षत्र एवं धूम, ते  
मुख घुण देख समर्पयन एवं क्रियन  
क्रियनीवदी ना मंटी वाया तात्त्व  
विवाहावदी अभ्यासकाल, ता. १५  
प्रयोग वाया नक्षत्र विवाहावदी  
देखते क्षम्यावदी अभ्यासकाल, ता. १६  
विवाहावदी जामा वाया नक्षत्र एवं  
स्वास्थ्यावदी वाया नक्षत्र, मरीजी  
प्रयोग वाया नक्षत्र एवं धूम, ते  
विवाहावदी अभ्यासकाल, ता. १७  
प्रयोग वाया नक्षत्र विवाहावदी  
देखते क्षम्यावदी अभ्यासकाल, ता. १८  
विवाहावदी जामा वाया नक्षत्र एवं  
स्वास्थ्यावदी वाया नक्षत्र, मरीजी  
प्रयोग वाया नक्षत्र एवं धूम, ते  
विवाहावदी अभ्यासकाल, ता. १९  
प्रयोग वाया नक्षत्र विवाहावदी  
देखते क्षम्यावदी अभ्यासकाल, ता. २०

**ઉટારવણીના અવલોકનમાં  
ચુક્કેલા માટે વિભિન્ને તથા**

# ଶ୍ରୀମଦ୍ ଭଗ୍ବାତୁ

## ગાંધીનગર નાગરિક સેવા સમિતિ બોર્ડના તેજસ્વી તારલાઓને સન્માનશે

સંસ્કૃત સાહિત્ય અકાદમી દ્વારા  
સંસ્કૃત પણિત સન્માન, સાહિત્ય ગૌરવ અને  
યુવા ગૌરવ પુરસ્કાર અર્પણ સમારોહ

## સરકારની શક્તિદૂત યોજના હેઠળ રમતવીરો તૈયાર કરાશે

શ્રીમદુ ભગવદુ ગીતામાં અર્જુન વિશેનાં સંબોધનો



संकेतनक	राशि	ग्रीष्मीय संकेतनक	संकेतनक	राशि	ग्रीष्मीय संकेतनक
		कठोर वापर			कठोर वापर
अमृत	निष्पाप	०२	भृत्यरु	बष अने बन जाणी कालार	०१
अमृतसूख	ठंचा अने दीपटटि रहित	०१	भृत्यरु	धूम्रपाणी धारण करावा	०१
अमृत्यु	शुद्ध अने कल्पसागर	२५	पर्वत	सारे तापावलम्बे शेष तापसी	०२
प्रायिक	हल्दुवाली वापरावा	०१	पाँच	पूरा (कु) पूरा	४१
क्षितिजी	मुकुर्याची	०१	पंच	पांडु वारापा प्रूप	०२
कृष्णरंग	कुरुक्षेत्रामान नुसुप	०३	कुरुक्षेत्रम्	पुराणामान वाराके वरपा	०१
कुरुक्षेत्र	कुरुक्षेत्रामान विवाह	०१	कुरुक्षेत्रम्	पुराणामान विवाह	०१
कुरुक्षेत्र	कुरुक्षेत्रामान शेष	०२	वरदत्तवाम	वरदत्तवामान विवाह	०१
कुरुक्षेत्री	वरदत्तवाम शेष	०१	वरदत्तवाम	वरदत्तवामान विवाह	०१
कुरुक्षेत्रम्	कुरुक्षेत्रामान विवाह	०१	वारदत्त	वारदत्तवाम शेष	०१
कुरुक्षेत्री	कुरुक्षेत्रामान विवाह	०१	वारदत्त	वारदत्तवाम ज्य लंगाव, वरदत्तवामी	१८
कुरुक्षेत्री	निवारामाची, वा॒नि विवाहावावा	०३	वारदत्तवामी	वाय विवाहामान, वीरोद्धामी वीर	०१
तात	विष	११	वारदत्तवामी	वीरवायी वीर सुरी वायावाया	१०
देवता	विषामान विषामी	२०	वारदत्तवामी	वाय विवाहामान, वीरोद्धामी वीर	१०

**ଦୋଷୀ**

ନୁ ନୁ କଟାଇ ନୁ ଭ୍ରା, ମୁଖୁଣ୍ଡ ହି ନ ହୁ,  
ବାହି ଲେବୁ ନାହିଁ ପଦି, ଦିତ ଦୋଷ ଦିତ ପୂ

**ପୋଟଙ୍କୁ**

ଧଳ, ଭେଲା, ଲେ କଟାଇ, ତେ ଉପ ଅନିରେକ  
କା କାହିଁ ଲେଗିବ, ଅନାଶ କରେ ଅନେକ

**ସୁମାରିତ**

ଛୋ ନା ପାପୀର ଦିଗୁଳା ଜଳେ ପାପ ଜଳାନ୍  
ଦା ପାପ ସାମେ କାହା ଦିଲାନ ଗୁପ୍ତ ବାହୀ

**ୟୋପାଈ**

ନିଜ ଅନୁଭବ ଅବ କଟି ଖଗୋଚା  
ନିଜ କଟି କରି ଜଳନ ନ ଖାଇ କରିବା  
(ହୁ ମାତ୍ର) ପାପୀର କାହାର କଟୁ କେ  
ଭଗବାନଙ୍କ ଜଳନ କାହା କଟି କରି ଦୂ ଥାନ ନାହିଁ)

**ସୋରଠି**

ପରପରମ କି ଯାଇ, ପରପରମ ପରେ ପରା,  
ଆ ମନ୍ତରନାମ ଯାଇ, ତୀତ ନ ଖାଇ ଚାରିଯା

**ଇଘ୍ରୋ**

ତିରୀ ଅଭିନେ ତିର ଆଶ ରେମ ପରିତ୍ୱାଳିଆ ଲୀବାର୍ମ ପଢ଼  
କେ କାହିଁ ଉପରେ ଦେଇବ, ତୋ ମାହି ମାହିରୀ ନ ଦିବେ ମାଗ  
କିମ୍ବା କରାମ ନ କୋରିବ ନାହା କିମ୍ବା ମୁହଁ କାହାରୀ ବାବ ?

**ପ୍ରୋକ୍**

ମାତାପାତା ନାହିଁ ଶରୀରପୋତ୍,  
ମିଳାନାମ ନାହିଁ ଶରୀରପୋତ୍  
ଲୋକ ନାହିଁ ଶରୀରପୋତ୍,  
ଦିଲା ଅମ ନାହିଁ ଶରୀରପୋତ୍  
(ମାତା କମାନ କିମ୍ବା ପିଲା ନାହିଁ, ତିରା କମାନ କୋଇ  
ଶରୀର କରିବ ନାହିଁ, ପାଇନ ସମାନ କରିବ ନାହିଁ  
ନାହିଁ ଏବଂ ମିଳାନାମ କରିବ ନାହିଁ)

**ଦୀପିନ**

ଉନ୍ନା ଲେଗିବୁ, ଗୋଟିଏ ଗୋଗିବୁ, ବିଶାଳ ଭେଗିବୁ  
ତାମାନୀ ତାମାନୀ, ଶୋଭା ଉପକାଶ, ବିଶାଳ ପାଇ ପାଇ